

2
8/24

बगवती शाप फंश डी, बार-बार आवाज
दिलाने पर भी वारी या डरक वहीला उपक नहि.
आरः वारी का उवा इडग दामरी डडग फेरकी
के खारिप फरमाप्य पाता है फगवती के मन
इसमे होम डाखिले उपर है



[Handwritten signature]

(डर-डर वारा)